Year 2018-19 □□□□□□ □□ □□□□□□		
	स्वायत्त पाठ्यक्रम	21 फरवरी 2018 को सर्व प्रथम रामनारायण रुइया स्वायत्त महाविद्यालय के हिन्दी अध्ययन मंडल के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण चंद्र बिष्ट ने उपस्थित अध्ययन मंडल के सदस्यों का स्वागत किया . इसके पश्चात सर्व सम्मति से पिछले सत्र में आयोजित अध्ययन मंडल की मीटिंग (25/7/2017) में तय की गई पाठ्यक्रम की रूप रेखा के मिनट्स पढकर सुनाये गए । जिसे सभी सदस्यों ने स्वीकृति प्रदान की । उसके पश्चात इस मीटिंग के उद्देश्यों पर चर्चा चली । जिससे अनेक मुद्दे उभरकर आए --
1	बी. ए. प्रथम वर्ष अनिवार्य हिन्दी	बी.ए. प्रथम वर्ष के अनिवार्य हिन्दी का पाठ्यक्रम (वर्ष 2017-18) को उसी रूप में स्वीकृत किया गया । इसमें कुल तीन पुस्तकें रखी गई हैं । जिनमें काव्य प्रदीप - संपादक सूर्यनारायण रणसुभे तथा दो कहानी संग्रह 1. श्रेष्ठ कहानियाँ भाग -1, संपादक - हिन्दी अध्ययन मंडल, मुम्बई विश्वविद्यालय मुम्बई और श्रेष्ठ कहानियाँ (प्रथम सत्र में) भाग -2, - संपादक - हिन्दी अध्ययन मंडल, मुम्बई विश्वविद्यालय मुम्बई (द्वितीय सत्र में) । तथा व्याकरण, पत्र लेखन आदि को शामिल किया गया है ।
2	बी. ए. प्रथम वर्ष ऐच्छिक हिन्दी पेपर -1	बी. ए. प्रथम वर्ष के ऐच्छिक हिन्दी का पाठ्यक्रम (वर्ष 2017-18) को उसी रूप में स्वीकृत किया गया । इसमें कुल चर पुस्तकें रखी गई हैं । इनमें से प्रथम सत्र में मानक एकांकी - संपादक - डॉ. विनय कुमार और भरत सिंह, - प्रतिनिधि कहानियाँ - संपादक - हिन्दी अध्ययन मंडल, मुम्बई विश्वविद्यालय मुम्बई । द्वितीय सत्र में काव्य कुसुम - संपादन - पी. जयरामन तथा गद्य-विविधा - संपादक - हिन्दी अध्ययन मंडल, मुम्बई विश्वविद्यालय मुम्बई । इस पाठ्यक्रम को सभी विषय विशेषज्ञों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई ।
3	बी. ए. द्वितीय वर्ष आधुनिक हिन्दी साहित्य पेपर -1	बी. ए. द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम (वर्ष 2017-18) को उसी रूप में स्वीकृत किया गया है । इसके तहत तृतीय सत्र में रश्मिरथी (खंड काव्य) रामधारी सिंह दिनकर तथा प्रतिनिधि कविताएँ - कुँवर नारायण तथा चतुर्थ सत्र में प्रतिनिधि कविताएँ - नागार्जुन और कथा एक कंस की (नाटक) दयाप्रकाश सिन्हा को रखा गया है । इस पाठ्यक्रम को सभी विषय विशेषज्ञों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई ।
4	बी. ए. द्वितीय वर्ष प्रयोजन मूलक हिन्दी एवं पत्र लेखन पेपर -2	बी. ए. द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम (वर्ष 2017-18) को उसी रूप में स्वीकृत किया गया है । इसके तहत तृतीय सत्र में प्रयोजनमूलक हिन्दी की अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, विशेषताएँ, व्यवहार क्षेत्र, रजभाषा के विविध रूप, राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास, विज्ञापन - अर्थ, परिभाषा, एवं स्वरूप और विशेषताएँ व परिभाषिक शब्दावली : स्वरूप व महत्त्वपूर्ण 100 शब्दों को रखा गया है । तथा चतुर्थ सत्र में जन संचार माध्यमोपयोगी लेखन, जन संचार माध्यमों की भाषा, सूचना का अधिकार व आलेखन प्रारूप को रखा गया है । इस पाठ्यक्रम को सभी विषय विशेषज्ञों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई ।
	बी. ए. तृतीय वर्ष हिन्दी साहित्य का इतिहास पेपर -1	बी. ए. तृतीय वर्ष पेपर एक के पाठ्यक्रम (वर्ष 2017-18) को उसी रूप में स्वीकृत किया गया है । इसके तहत पाँचवे सत्र में हिन्दी साहित्य का इतिहास तथा आदिकाल, भक्तिकाल व रीतिकाल की पृष्ठभूमि व विशेषताएँ रखी गई हैं । और छठे सत्र में हिन्दी कविता का विकास एवं विशेषाताएँ जिसमें भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावादी युग, प्रगतिवादी

		युग, प्रयोगवादी युग, नई कविता, साठोत्तरी कविता समकालीन कविता तथा हिन्दी कहानी, नाटक, निबंध व उपन्यास आदि को शामिल किया गया है । इस पाठ्यक्रम को सभी विषय विशेषज्ञों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई ।
	बी. ए. तृतीय वर्ष मध्यकालीन एवं आधुनिक हिन्दी साहित्य पेपर -2	बी. ए. तृतीय वर्ष पेपर दो के पाठ्यक्रम (वर्ष 2017-18) को कुछ परिवर्तनों के साथ उसी रूप में स्वीकृत किया गया है । इसके तहत पाँचवे सत्र में जंगल के जुगनू -डॉ. देवेश ठाकुर, गद्य-गरिमा - संपादक - हिन्दी अध्ययन मंडल, मुम्बई विश्वविद्यालय मुम्बई . इस वर्ष इसमें से एक पाठ हृदयेश मुखर्जी के साथ ढ़ाई दिन - मनोहर श्याम जोशी को पाठ्यक्रम से हटा दिया गया है । व छठे सत्र में प्रचीन काव्य संचयन - सं प्रो. चमन लाल गुप्त व निबंध मंजूषा - संपादक - हिन्दी अध्ययन मंडल, मुम्बई विश्वविद्यालय मुम्बई . को रखा गया है । इस वर्ष इसमें से एक निबंध देवदारू -आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी को पाठ्यक्रम से हटा दिया गया है । इस पाठ्यक्रम को सभी विषय विशेषज्ञों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई ।
	बी. ए. तृतीय वर्ष अनुवाद और पत्रकारिता तथा आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि पेपर -3	बी. ए. तृतीय वर्ष पेपर 3 के पाठ्यक्रम (वर्ष 2017-18) को कुछ परिवर्तनों के साथ उसी रूप में स्वीकृत किया गया है । इसके तहत पंचम सत्र में अनुवाद व पत्रकारिता को रखा गया है किंतु अनुवाद के भेद से सारानुवाद व सूचनात्मक अनुवाद को हटा दिया गया है । तथा छठे सत्र में आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि को रखा गया है । इसमें से आधुनिकता व उत्तर आधुनिकता को हटाया गया है । इस पाठ्यक्रम को सभी विषय विशेषज्ञों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई ।
	बी. ए. तृतीय वर्ष साहित्य, समीक्षा, छंद एवं अलंकार पेपर -4	बी. ए. तृतीय वर्ष पेपर 4 के पाठ्यक्रम (वर्ष 2017-18) को कुछ परिवर्तनों के साथ उसी रूप में स्वीकृत किया गया है । इसके तहत पंचम सत्र में साहित्य, कला, काव्य के रूप तथा छंदों को रखा गया है । छठे सत्र में शब्द शक्ति व उसके प्रकार, रस, नाटक, कहानी, उपन्यास के तत्वों, निबंध की विशेषताओं तथा अलकारों को रखा गया है । इसमें से हरिगीतिका और कवित्त छंद व विप्सा व भ्रांतिमान अलंकार को हटा दिया गया है । इस पाठ्यक्रम को सभी विषय विशेषज्ञों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई ।
	बी. ए. तृतीय वर्ष भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा व हिन्दी व्याकरण पेपर -5	बी. ए. तृतीय वर्ष पेपर 5 के पाठ्यक्रम (वर्ष 2017-18) को कुछ परिवर्तनों के साथ उसी रूप में स्वीकृत किया गया है । इसके तहत पंचम सत्र में भाषा की परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा के विविध रूप, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं उपयोगिता, भाषा विज्ञान की प्रमुख शाखाएँ, वर्ण विचार, कारक के भेद, संज्ञा,सर्वनाम, विशेषण व क्रिया के रूपांतर को शामिल किया गया है तथा छठे सत्र में हिन्दी भाषा का स्वरूप व विकास, हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ, खड़ी बोली हिन्दी के विविध रूप, देवनागरी लिपी का माहत्त्व व विशेषताएँ, वाक्य रचना, पदक्रम, समास व संधि को शामिल किया गया है । इसमें से खड़ी बोली हिन्दी के विविध रूप को पाठ्यक्रम से हटाया गया है । इस पाठ्यक्रम को सभी विषय विशेषज्ञों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई ।
	बी. ए. तृतीय वर्ष जन संचार माध्यम तथा	बी. ए. तृतीय वर्ष पेपर 5 के पाठ्यक्रम (वर्ष 2017-18) को कुछ परिवर्तनों के साथ उसी रूप में स्वीकृत किया गया है । इसके तहत पंचम

	मीडिया लेखन पेपर -6	सत्र में जनसंचार की अवधारणा, तत्व, प्रक्रिया, माध्यमों का स्वरूप, परंपरागत जन संचार तथा आधुनिक जनसंचार माध्यमों को रखा गया है । साथ ही इंटरनेट,व कम्प्यूटर के प्रयोगों को भी शामिल किया गया है । छठे सत्र में वृत्तचित और लघुफिल्म, फिल्म प्रभाग का सामान्य परिचय, भारतीय फिल्म संस्थान पुणे, इलेक्ट्रानिक माध्यम संबंधी लेखन, विज्ञापन लेखन, तथा सोशल मीडिया को शामिल किया गया है । इसमें से आधुनिक जनसंचार माध्यम विकास एवं उपयोगिता तथा रेडियो वार्ता लेखन व रेडियो जॉकी के स्थान पर रेडियो नाटक लेखन को रखा गया है को पाठ्यक्रम से हटाया गया है । इस पाठ्यक्रम को सभी विषय विशेषज्ञों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई ।

इस प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम संबंधी चर्चाएँ सार्थक रही । तथा पूर्व मीटिंग की सालाहों को व्यवहार में लाया गया ।